परिशिष्ट–2

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

वर्धा (महाराष्ट्र)

विद्या-परिषद् की नवीं बैठक

कार्यवृत्त

10 अप्रैल, 2007

सुबह 10:30 बजे

सभा कक्ष सं. 1, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा)

17-बी, श्री अरविंदो मार्ग, नयी दिल्ली–110 016

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम के अन्तर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

विद्या-परिषद् की नवीं बैठक का कार्यवृत्त

स्थान – सभा-कक्ष सं. 1 (भूतल)

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा)

17-बी, श्री अरविंदो मार्ग, नयी दिल्ली–110 016

दिनांक – 10 अप्रैल, 2007 *(सुबह 10:30 बजे)*

विषय-सूची

मद सं.	*विवरण*	*पृष्ठ सं.*
1.	विद्या-परिषद् की आठवीं बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि एवं अनुमोदन।	001–002
2.	विद्या-परिषद् की आठवीं बैठक में लिये गये निर्णयों के अनुसरण में विश्वविद्यालय द्वारा की गई कार्यवाही का विवरण।	002
3.	प्रो. बिपिन चंद्रा समिति की रिपोर्ट के तारतम्य में शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त अनुशंसाएँ एवं उनके अनुसरण में विश्वविद्यालय द्वारा अकादमिक विषयों के संदर्भ में की गयी टिप्पणियों / कार्यवाहियों पर विचार एवं अनुमोदन।	002–003
4.	विद्या-परिषद् द्वारा गठित समिति की अनुशंसाओं के आधार पर नये सिरे से बनाये गये एम.ए. हिन्दी (तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम के संदर्भ में विचार एवं अनुमोदन।	003
5.	वर्ष 2007–08 के सत्र में आयोजित की जानेवाली संगोष्ठियों के प्रस्ताव का अनुमोदन।	003–004
6.	कुलपति की सेवानिवृत्ति की आयु सीमा बढ़ाये जाने का प्रस्ताव।	003

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

विद्या-परिषद् की नवीं बैठक

कार्यवृत्त

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय की विद्या-परिषद् की नवीं बैठक कुलपति की अध्यक्षता में 10 अप्रैल, 2007 को सुबह 10:30 बजे राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा), दिल्ली के सभा कक्ष सं. 1 में सम्पन्न हुई। बैठक में निम्नांकित उपस्थित हुए :

1)	प्रो. जी. गोपीनाथन	-	कुलपति एवं अध्यक्ष, म.ग.अ.हि.वि., वर्धा।
2)	प्रो. ए. अरविंदाक्षन	-	सदस्य
3)	प्रो. इन्द्रनाथ चौधुरी	-	सदस्य
4)	प्रो. एस. तंकमणि अम्मा	-	सदस्य
5)	श्री के.जी. बालकृष्ण पिल्लई	-	सदस्य
6)	डॉ. गंगा प्रसाद विमल	-	सदस्य
7)	श्री गोविन्द मिश्र	-	सदस्य
8)	प्रो. टी.आर. भट्ट	-	सदस्य
9)	प्रो. प्रभाकर श्रोत्रिय	-	सदस्य
10)	डॉ. भास्कराचार्य त्रिपाठी	-	सदस्य
11)	श्रीमती मृदुला गर्ग	-	सदस्य
12)	डॉ. (श्रीमती) माजिदा असद	-	सदस्य
13)	प्रो. राम गोपाल गुप्ता	-	सदस्य
14)	डॉ. रामदयाल मुण्डा	-	सदस्य
15)	श्री एस.आर. फारूकी	-	सदस्य
16)	प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी	-	सदस्य
17)	प्रो. नित्यानंद तिवारी	-	सदस्य
18)	प्रो. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी	-	सदस्य
19)	श्री अनुप केशवदेव पुजारी	-	सदस्य

अन्य सदस्य – प्रो. राम गोपाल बजाज, श्री मधु मंगेश कर्णिक, प्रो. उदय नारायण सिंह एवं प्रो. इंदिरा गोस्वामी पूर्व प्रतिश्रुत होने एवं अन्य अपरिहार्य कारणवश उपस्थित न हो सके।

बैठक आरंभ होने से पूर्व बैठक में उपस्थित सभी व्यक्तियों ने विश्वविद्यालय के स्कूल-बोर्ड के सदस्य एवं प्रसिद्ध साहित्यकार, स्वर्गीय सत्यप्रकाश मिश्र जी के आकस्मिक देहावसान पर दुख व्यक्त किया और दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

तदुपरात बैठक में प्रस्तुत कार्यसूची की मदों पर हुई चर्चा एवं विचार-विमर्श के बाद लिये गये निर्णयों का क्रमवार ब्यौरा इस प्रकार है :

मद संख्या 1.

विद्या-परिषद् की आठवीं बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि एवं अनुमोदन : विद्या-परिषद् की आठवीं बैठक विश्वविद्यालय विस्तार कार्यालय – ज़िला क्रीड़ा संकुल भवन, जाजूवाड़ी के सभा-कक्ष में 12 मार्च, 2007 को सम्पन्न हुई थी। बैठक में लिए गए निर्णयों का कार्यवृत्त सभी सदस्यों को यथासमय भेज दिया गया था।

किसी सदस्य की तरफ से इस संदर्भ में कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई है। कार्यवृत्त की प्रति अवलोकनार्थ संलग्न है। विद्या-परिषद् कृपया कार्यवृत्त का अनुमोदन करे।

अनुलग्नक : विद्या-परिषद् की आठवीं बैठक का कार्यवृत्त (परिशिष्ट–1)

विद्या-परिषद् ने कार्यवृत्त का अनुमोदन किया।

मद संख्या 2.

विद्या-परिषद् की आठवीं बैठक में लिये गये निर्णयों के अनुसरण में विश्वविद्यालय द्वारा की गई कार्यवाही का विवरण : कार्यवृत्त के अनुसरण में विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत की गयी कार्यवाही का अवलोकन कर विद्या-परिषद् ने निम्नांकित सुझाव एवं निर्णय लेते हुए उससे सहमति व्यक्त की :

- विश्वविद्यालय के संस्कृति विद्यापीठ में नाटक एवं रंगमंच, भारतीय संगीत व नृत्य कला से संबंधित महत्त्वपूर्ण विषयों के संदर्भ में गठित उपसमिति में प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी को भी नामित करते हुए इस उपसमिति की बैठक यथाशीघ्र बुलाये जाने एवं उनकी अनुशंसाओं के आधार पर 11वीं पंचवर्षीय योजना में पाठ्यक्रम आरंभ किये जाने की कार्यवाही तीव्र गति से करने का निर्णय हुआ।
- अध्यक्ष द्वारा सूचित किया गया कि विद्या-परिषद् के कार्यकाल समाप्ति के परिप्रेक्ष्य में विद्या-परिषद् संबंधी अतिरिक्त परिनियम को विद्या-परिषद् ने 12.03.07 को सम्पन्न अपनी 8वीं बैठक में अनुमोदित किया था जिसे कार्य-परिषद् के समक्ष इसकी 31.03.07 को सम्पन्न 25वीं बैठक में प्रस्तुत किया गया था और कार्य-परिषद् ने इसे स्वीकृति प्रदान कर दी है।

मद संख्या 3.

प्रो. बिपिन चंदा समिति की रिपोर्ट के तारतम्य में शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त अनुशंसाएँ एवं उसके अनुसरण में विश्वविद्यालय द्वारा अकादमिक विषयों के संदर्भ में की गयी टिप्पणियों / कार्यवाहियों पर विचार एवं अनुमोदन : विश्वविद्यालय के विविध मामलों के संदर्भ में विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष – महामहिम राष्ट्रपति द्वारा प्रो. बिपिन चंद्रा की अध्यक्षता में एक तथ्य जाँच समिति गठित की गई थी। उक्त समिति द्वारा दी गई रिपोर्ट के संदर्भ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय से कुछ अनुशंसाएँ प्राप्त हुई हैं। इन अनुशंसाओं के अनुसरण में विश्वविद्यालय द्वारा अब तक की जा चुकी एवं की जा रही कार्यवाहियों का विवरण संलग्न है। विद्या-परिषद् कृपया अकादमिक विषयों से संबंधित विषयों के संदर्भ में की गई कार्यवाही का अवलोकन एवं विचार कर अपनी स्वीकृति प्रदान करे।

अनुलग्नक : (क) अनुशंसाओं के अनुसरण में विश्वविद्यालय द्वारा की गयी कार्यवाहियों का विवरण। (पृष्ठ सं. 7-13)
(ख) तथ्य जाँच समिति की रिपोर्ट के संदर्भ में मंत्रालय से प्राप्त अनुशंसाएँ (पृष्ठ सं. 14-30)

रिपोर्ट के तारतम्य में प्रस्तुत विवरण का अवलोकन कर विद्या-परिषद् ने विस्तृत चर्चा के बाद विश्वविद्यालय द्वारा की गयी कार्यवाही से सहमति से व्यक्त की और बिन्दू बी–2 के संदर्भ में यह निर्णय लिया कि 10वीं पंचवर्षीय योजना में विद्या-परिषद् द्वारा जिन पाठ्यक्रमों का अनुमोदन किया गया है उन्हें जारी रखा जाये और विद्या-परिषद् द्वारा स्वीकृत नये पाठ्यक्रमों को 11वीं पंचवर्षीय योजना में आरंभ किया जाये।

बिन्दू जे. के अन्तर्गत कुलपति के लिए रिपोर्ट में की गयी टिप्पणी / विवेचना के प्रति कड़ी आपत्ति व्यक्त करते हुए विद्या-परिषद् ने इसकी भर्त्सना की एवं इसे निराधार बताते हुए यह निर्णय लिया कि कुलपति के विरूद्ध लगाये गये आक्षेपों का विद्या-परिषद् की तरफ से निषेध व्यक्त करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय को इस आशय का पत्र लिखा जाय कि तथ्य जाँच समिति की उक्त टिप्पणी विचारार्थ विषय से बाहर है।

मद संख्या 4.

विद्या-परिषद् द्वारा गठित समिति की अनुशंसाओं के आधार पर नये सिरे से बनाये गये एम.ए. हिन्दी (तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम के संदर्भ में विचार एवं अनुमोदन : विद्या-परिषद् की 12.03.07 को सम्पन्न आठवीं बैठक में विश्वविद्यालय में पढ़ाये जा रहे एम.ए. हिन्दी (तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम के संदर्भ में तात्कालिक आवश्यकता के मद्देनजर कुछ संशोधन प्रस्तावित किये गये थे जिसका प्रारूप बैठक में प्रस्तुत किया गया था। विद्या-परिषद् ने इसका अवलोकन कर इसे नये सिरे से बनाने हेतु 4 विशेषज्ञों की एक समिति गठित की एवं 7 तथा 8 अप्रैल, 2007 को दिल्ली में बैठक आयोजित कर अनुशंसाएँ देने का निर्णय लिया था।

निर्णय के अनुपालन में उक्त तारीखों में बैठक आयोजित की गई हैं और समिति की अनुशंसाओं को विद्या-परिषद् की बैठक में निर्णयार्थ प्रस्तुत किया जायेगा।

विद्या-परिषद् के निर्णय के अनुपालन में उपरोक्त विवरणानुसार गठित समिति की बैठक निर्धारित तारीख़ों को सम्पन्न हुई। समिति द्वारा बनाये गये प्रारूप को बैठक में प्रस्तुत किया गया।

समिति द्वारा नये सिरे से बनाये गये एम.ए. हिन्दी (तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम के प्रस्तावित प्रारूप पर विस्तृत चर्चा के बाद विद्या-परिषद् ने कुछ सुझावों के साथ इसे स्वीकृति प्रदान की। तदनुसार सुझावों को समाविष्ट करते हुए पाठ्यक्रम संलग्न है।

मद संख्या 5.

वर्ष 2007–08 के सत्र में आयोजित की जानेवाली संगोष्ठियों के प्रस्ताव का अनुमोदन : विद्या-परिषद् की 12.03.07 को सम्पन्न आठवीं बैठक में 'दक्षेस की भाषाएँ और हिन्दी' विषय पर एक संगोष्ठी भारतीय भाषा परिषद् के सहयोग से मई, 2007 में कोलकाता में आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया था।

निर्णय के अनुपालन में भारतीय भाषा परिषद् से सम्पर्क किया गया है और संगोष्ठी की रूप-रेखा तैयार कर प्रारूप विचार एवं अनुमोदनार्थ बैठक में प्रस्तुत किया जायेगा।

इस संदर्भ में यह भी प्रस्तावित है कि वर्ष 2007–08 के सत्र में आयोजित की जानेवाली संगोष्ठियों का प्रस्ताव विद्या-परिषद् के अनुमोदनार्थ बैठक में प्रस्तुत किया जायेगा।

'दक्षेस की भाषाएँ और हिन्दी' विषय पर भारतीय भाषा परिषद् के सहयोग से 25-27 मई, 2007 को कोलकाता में प्रस्तावित संगोष्ठी की संक्षिप्त रूपरेखा अध्यक्ष द्वारा बैठक में प्रस्तुत की गयी। विद्या-परिषद् ने इससे सहमति व्यक्त करते हुए राशि रु.2,00,000/- (रूपये दो लाख मात्र) के व्यय को स्वीकृति प्रदान की।

अध्यक्ष की अनुमति से :

मद संख्या 6.

कुलपति की सेवानिवृत्ति की आयु सीमा बढ़ाये जाने का प्रस्ताव : अध्यक्ष की तरफ से मानव ससाधन विकास मंत्रालय का 30.03.2007 का पत्र बैठक में प्रस्तुत किया गया जिसमें कुलपति की सेवानिवृत्ति की आयु सीमा 65 वर्ष से बढ़ाकर 70 वर्ष करने के प्रस्ताव के संदर्भ में सक्षम प्राधिकरणों की राय मांगी गई है और सहमत होने पर विश्वविद्यालय को संबद्ध परिनियम में संशोधन हेतु मंत्रालय को प्रस्ताव भिजवाने के बारे में सूचित किया गया है।

विद्या-परिषद् ने सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव का अनुमोदन किया।

अध्यक्ष ने अवगत कराया कि दूर शिक्षा के अन्तर्गत गतिविधियाँ आरंभ करने हेतु दूर शिक्षा परिषद् से सम्पर्क किया जा रहा है और इसके लिए विश्वविद्यालय में एक इकाई आरंभ की गई है तथा विश्वविद्यालय द्वारा इस अकादमिक वर्ष से दूर शिक्षा के अन्तर्गत 6 पाठ्यक्रम आरंभ किये जा रहे हैं। विद्या-परिषद् ने सर्वसम्मति से इसे स्वीकृति प्रदान की।

विद्या-परिषद् के सदस्यों के कार्यकाल की मई, 2007 माह में समाप्ति के तहत इस अंतिम बैठक के मद्देनजर सभी सदस्यों द्वारा विद्या-परिषद् के अध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय को शुभकामनाएँ एवं धन्यवाद देने तथा कुलपति द्वारा उनके अमूल्य मार्ग-दर्शन एवं सहयोग के लिए उनके प्रति कृतज्ञता-ज्ञापन करने के साथ बैठक समाप्त हुई।

(अनुप केशवदेव पुजारी)
कुलसचिव एवं पदेन सचिव : विद्या-परिषद्
महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय,
वर्धा (महाराष्ट्र)

विद्या-परिषद् द्वारा अनुमोदित एम.ए. हिन्दी (तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

साहित्य विद्यापीठ

एम.ए. हिन्दी (तुलनात्मक साहित्य)

प्रथम छमाही

प्रथम पत्र

तुलनात्मक साहित्य सिद्धान्त

तुलनात्मक साहित्य, अर्थ परिभाषा और स्वरूप।
विश्वसाहित्य, राष्ट्रीय साहित्य, लोक साहित्य।
तुलनात्मक साहित्य का पद्धति-विज्ञान और उसका विश्लेषण।
तुलनात्मक विवेचना - अन्तर्विद्यावर्ती विवेचना का स्वरुप।

द्वितीय पत्र

तुलनात्मक अध्ययन सिद्धान्त

भारतीय साहित्य की अवधारणा।
तुलनात्मक साहित्य का क्षेत्र, भारतीय परिप्रेक्ष्य तथा भारतीय तुलनात्मक साहित्य।
साहित्येतिहास लेखन की अवधारणा और भारतीय साहित्य के इतिहास की संकल्पना।
तुलनात्मक साहित्य के पुनराविष्करण की दिशा और हाशिये का साहित्य।
अनुवाद का भारतीय सिद्धान्त और इतिहास।
तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद की भूमिका।

तृतीय पत्र

भारतीय साहित्य परंपरा एवं विश्व साहित्य परंपरा

(क) वैदिक साहित्य
संस्कृत साहित्य
प्राकृत साहित्य
पालि साहित्य
अपभ्रंश साहित्य
भारतीय साहित्य
लोक साहित्य
भारतीय साहित्य की विविधता और एकता

(ख) फारसी परंपरा

(ग) ग्रीक परंपरा

(टिप्पणी : विभिन्न साहित्य परंपराओं का गहन अनुशीलन और यथोचित तुलनात्मक दृष्टि का विस्तार)

चतुर्थ पत्र

मध्यकालीन भारतीय साहित्य

भक्ति का अखिल भारतीय स्वरूप
भारतीय भक्ति साहित्य का सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य।
भारतीय रामभक्ति परंपरा - तुलसी, कंपन।
भारतीय कृष्णभक्ति परंपरा - सूर (भ्रमरगीत), मीरा, चंडीदास, कनकदास।
भारतीय संतकाव्य परंपरा - कबीर / ज्ञानेश्वर, नानक, ललदेत, वासवण्णा।
मध्यकालीन भारतीय प्रेमकाव्य - विद्यापति, बिहारी, घनानंद।

द्वितीय छमाही

प्रथम पत्र

भारतीय काव्यशास्त्र परंपरा

- भारतीय काव्यशास्त्रीय परंपरा के मूल आधार और प्रेरणाएँ
- प्रमुख संप्रदाय - रस, ध्वनि, अलंकार, रीति, वक्रोक्ति और औचित्य
- प्रमुख आचार्य - भरतमुनि, भामह, वामन, अनन्दवर्द्धन, अभिनव गुप्त, कुतंक व क्षेमेन्द्र।
- विभिन्न भारतीय काव्य परंपराओं में अंतःसंबंध।
- भारतीय काव्य परंपरा का आधुनिक विकास।

(टिप्पणी : सिद्धांतों के समस्त पक्षों / परिपार्श्वों का सार्थक अध्ययन और व्यवहारिक उपयोग)

द्वितीय पत्र

पाश्चात्य काव्यशास्त्र परंपरा

- प्रमुख सिद्धांत - अरस्तू
- अनुकरण सिद्धांत
- उदाभतत्व
- स्वच्छंदतावाद
- यथार्थवाद
- अस्तित्ववाद
- नयी समीक्षा
- शैलीविज्ञान
- उत्तर आधुनिकता
- संरचनावाद - उत्तर संरचनावाद

प्रमुख आचार्य

- प्लेटो
- अरस्तू
- होरेस
- लोंजोंइनेस
- कॉलरिज
- मार्क्स
- एम्पसन
- देरिदा

तृतीय पत्र

भारतीय कथा साहित्य

उपन्यास - गोदान, मैला आंचल, जिन्दगीनामा, गोरा, चेम्मीन, कोसला, संस्कार।

कहानी - उसने कहा था, कफन, परदा, रोज़, मलबे का मालिक, राजा निरबंसिया, प्रेत मुक्ति।

शरतचन्द्र, वैक्कम मुहम्मद बशीर, जयकांतन, सअदत हसन मंटो (इनकी प्रतिनिधि कहानियाँ)

समकालीन भारतीय उपन्यास और कहानी का अध्ययन।

चतुर्थ पत्र

भारतीय कथेतर साहित्य

नाटक - धुव्रस्वामिनी, अंधा युग, आधे-अधूरे।
एवं इंद्रजीत (बादल सरकार), ख़ामोश, अदालत जारी है (विजय तेंदुलकर),
तुगलक (गिरीश करनाड़)

निबन्ध - कविता क्या है (रामचन्द्र शुक्ल)
अशोक के फूल (हजारीप्रसाद द्विवेदी)
मेरे राम का मुकुट भीग रहा है (विद्यानिवास मिश्र)
रस आखेटक (शीर्षक निबन्ध - कुबेरनाथ राय)
कुटटीकष्ण मारर , रवींद्र केलेकर, उमाशंकर जोशी, वी.के. गोकाक।

आत्मकथा - दलित आत्मकथा, गांधीजी की आत्मकथा, पंजाबी (दलीप कौर टिवाणा)

यात्रा वृतांत - राहुल सांस्कृत्यायन ( ), सौंदर्य की नदी नर्मदा (अमृतलाल देवड़ा)
समकालीन भारतीय नाटक, निबंध, आत्मकथा, जीवनी, एक अध्ययन।
चीड़ों पर चांदनी (निर्मल वर्मा), आवारा मसीहा।

संस्मरण - महादेवी वर्मा (मेरा परिवार), (अतीत के चलचित्र)

तृतीय छमाही

प्रथम पत्र

आधुनिक भारतीय कविता

व्याख्यार्थ काव्यांश/ कविताएँ -

1) मैथिलीशरण गुप्त : साकेत - नवम सर्ग।
2) जयशंकर प्रसाद : कामायनी - चिन्ता, श्रद्धा सर्ग।
3) निराला : अनामिका - राम की शक्तिपूजा।
4) महादेवी वर्मा : छह गीत (नीहार - निशा को धो देता राकेश; नीरजा-मधुर मधुर मेरे दीपक जल; सान्ध्यगीत - कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो, मैं नीर भरी दुख की बदली; दीपशिखा - मोम-सा तन घुल चुका; सब आंखों के आंसू उजले)
5) अज्ञेय : आँगन के पार द्वार - असाध्यवीणा।
6) मुक्तिबोध : चाँद का मुँह टेढ़ा है - अँधेरे में।
7) धूमिल : संसद से सड़क तक - मोचीराम।
8) फिराक गोरखपुरी (उर्दू)
9) आय्यप्पा पणिक्कर (मलयालम) - कुरूक्षेत्रम्।
10) उमाशंकर जोशी (गुजराती) - निशीथ।
11) सुंदर रामस्वामी (तमिल)
12) विंदा करींदीकर (मराठी)
13) हरभजन सिंह (पंजाबी)
14) जीवनानंद दास (बंगाली) - बनलता सेन
15) रमाकांत रथ (उड़िया)

द्वितीय पत्र

आधुनिक भारतीय साहित्यकार

किसी एक साहित्यकार का गहन अध्ययन :

- भारतेन्दु हरीशचंद्र
- जैनेन्द्र कुमार
- हजारी प्रसाद द्विवेदी
- वीरेंदकुमार भट्टाचार्य
- भाई वीरसिंह
- सुब्रमण्य भारती
- शंकर कुरूप
- नरेंद्र मेहता
- फकीर मोहन सेनापति
- शिवराम कारंत

तृतीय पत्र

भारतीय साहित्य का इतिहास

- ❖ प्राचीन
- ❖ मध्ययुगीन
- ❖ आधुनिक

- ❖ कविता का इतिहास
- ❖ कथा साहित्य का इतिहास
- ❖ आलोचना साहित्य का इतिहास
- ❖ निबंध/आत्मकथा/संस्मरण का इतिहास
- ❖ भारतीय साहित्य का पाश्चात्य साहित्य से अंतःसंबंध
- ❖ भारतीय साहित्य पर गाँधीजी का प्रभाव

चतुर्थ पत्र

भारतीय लोक साहित्य

- ❖ लोक और शास्त्र
- ❖ परंपरा और इतिहास
- ❖ भारतीय लोक साहित्य का आधुनिक परिप्रेक्ष्य
- ❖ भारतीय लोक साहित्य की प्रवृतियाँ
- ❖ किसी एक भाषा के लोक साहित्य का अध्ययन

चतुर्थ छमाही

प्रथम पत्र

बीसवीं सदी का भारतेतर विश्व साहित्य

कविता : टी.एस. इलियट, रिल्के, पाब्लो नेरूदा, आक्टोवियो पॉज

उपन्यास : 1. डॉ. जिवागो - बोरिस पास्तरनाक
2. सागर और बूढ़ा आदमी - हेमिंग्वे
3. अजनबी - कामू
4. एकान्त के सौ वर्ष - मार्क्वेज

कहानी : लू शुन, चेखॅव, ओ हेनरी, काफ्का (प्रत्येक की एक कहानी)

नाटक : 1. खड़िया का घेरा - ब्रेख्त
2. प्रेत - इब्सन
3. गोदो का इन्तजार - बेकेट
4. चेरी का बगीचा - चेखॅव

द्वितीय पत्र

भारतीय साहित्य का सांस्कतिक पक्ष

- भारतीय साहित्य में सामासिक संस्कति
- भारतीय सभ्यता का विकास और स्वरूप
- ललित कलाएँ - संगीत, चित्र, मूर्ति, वास्तु
- भारतीय धर्म और दर्शन
- भारतीय मिथक का साहित्य में अभिव्यक्ति
- लोक संस्कृति

तृतीय एवं चतुर्थ पत्र : परियोजना कार्य

निम्नलिखित क्षेत्रों पर विशेष बल दिया जाये :

1. *किसी एक भारतीय भाषा की **मानक कृति** का हिंदी अनुवाद*
2. *हिन्दी से किसी भारतीय भाषा में हुए अनुवाद का सूचीकरण अध्ययन और विश्लेषण।*
3. *किसी भारतीय भाषा से हिन्दी में हुए अनुवाद का सूचीकरण अध्ययन और विश्लेषण।*
4. *किसी ज्वलंत समकालीन विषय पर प्रबंध लेखन (सौ पृष्ठ)*
5. *किसी भारतीय भाषा की **मानक कृति** का विवेचनात्मक अध्ययन*
6. *किसी जीवित महापुरूष का जीवनी-लेखन।*

1. Aldridge, A.O. ed. Comparative Literature : Matter & Method. Urbana
2. Antoine. S.J. Shakuntala and the Greek Tragedy. J.J.C.L.. 19
3. Aurobindo. The Foundations of Indian Culture. Vol. XIV. Pondicherry
4. Barthes. R. Le degre Fere de lecriture. Paris
5. Brower. R.. ed.. On Translation
6. Brandt Corstins. Jan.. Introduction to the Comparative Study of Literature. New York
7. Chatterjee. Suniti Kumar. Languages & Literatures of Modern India
8. Clements Robert J.. Comparative Literature as Academic Discipline. New York
9. Cat ford. J.C.. A Linguistic Theory of Translation. London. 1974
10. Flecher John. 'The Criticism of Comparison: The Approach through Comparative Literature and Intellectual History. Contemporary Criticism. Ed. Malcolm Brad & David Palmer. London
11. Dev Arniya. 'Comparative Indian Literature'. Guru Nanak Dev University Seminar. Amritsar. 1981.
12. Gayatri Chakravarti Spivak, The Death of a discipline, Columbia
13. Choudhuri Indra Nath, Comparative Indian Literature : Some Perspectives, Sterling, Delhi.
14. Frenz Horst 'The Art of Translation', Comparative Literature : Method and Perspective, Carbondak
15. इन्द्रनाथ चौधुरी, तुलनात्मक साहित्य, भारतीय परिप्रेक्ष्य, वाणी प्रकाशन।
16. Gokak, V.K., The Concept of Indian Literature, 1979.
17. Gifford H., Comparative Literature, London.
18. Guha Naresh, ed. Comparative Literature Germany and India, Calcutta
19. Karkala – Alphonso, John. Comparative World Literature, Bombay
20. Levin Otarry, Refractions – Essays in Comparative Literature, New York
21. Kriplani Krishna, Modern Indian Literature, Bombay
22. Molone David H., The 'Comparative' in Comparative Lierature Year Book of Comparative & General Literature. 2,
23. Mukherjee Sujit, Towards & Literary History of India, Shimla
24. Nagendra, ed. Indian Literature, Agra
25. Nichols Stephen. G, 'Comparatists at Work' Studies in Comparative Literature, Waltham
26. Prawer S.S. Comparative Literary Studies : An Introduction, London
27. Remark, Henry, H.H., 'Comparative Literature : Its definition & Function' Comparative Literature : Method & Perspective, Stalknecht, N.P. & Frenz., H. (ed.). Carbondak
28. Stalknecht, N.P. & Frenz, H. eds., Comparative Literature : Method & Perspective, Carbondak
29. Weisstein Ulrich, Comparative Literature & Literary Theory, Trng. William Riggan, Bloomington
30. Wellek. Rene Discriminations. Yak Uni. Press
31. Will J.S. 'Comparative Literature : its meaning & scope. University of Toronto Quarterly. VIII. 1939
32. Wrenn. C.L.. The Idea of Comparative Literature Leeds.
33. कविता की तीसरी आँख : प्रभाकर श्रोत्रिय (काव्यशास्त्र)
34. कालयामी है कविता : प्रभाकर श्रोत्रिय
35. मेघदूत : एक अंतर्यात्रा : प्रभाकर श्रोत्रिय
36. रचना एक यातना है : प्रभाकर श्रोत्रिय
37. संवाद : नई कविता आलोचना और प्रतिक्रिया
38. नरेश मेहता।

विद्या-परिषद् सदस्या श्रीमती मृदुला गर्ग से पाठ्यक्रम संबंधी प्राप्त सुझाव